करेंट अफेयर्स

बिहार

(संग्रह)

अगस्त
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- बिहार में ऑपरेशन नया सवेरा 3
- भिखारी ठाकुर को भारत रत्न 4
- प्रत्यय अमृत: बिहार के नए मुख्य सचिव 5
- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना 6
- बिहार में नया औद्योगिक गलियारा और औद्योगिक क्षेत्र 7
- बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस 7
- भारतीय महिलाओं ने एशिया अंडर-20 रग्बी में कांस्य पदक जीता 8
- बिहार सरकार ने JP सेनानियों की पेंशन दोगुनी की 9
- 12वीं पुरुष एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप 10
- बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 11

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

बिहार

बिहार में ऑपरेशन नया सवेरा

चर्चा में क्यों ?

मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस (30 जुलाई) के अवसर पर, बिहार पुलिस मुख्यालय ने 'ऑपरेशन नया सवेरा' शुरू किया, जो शोषणकारी क्षेत्रों से तस्करी पीड़ितों, विशेष रूप से **नाबालिगों** को **बचाने और पुनर्वास** करने के लिये एक प्रमुख अभियान है।

- मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस 2025 की थीम है- **"मानव तस्करी संगठित अपराध है- शोषण समाप्त करें।"**

मुख्य बिंदु

- **ऑपरेशन नया सवेरा के बारे में:**
  - यह एक पंद्रह दिवसीय अभियान है (31 जुलाई से 14 अगस्त 2025), जिसका उद्देश्य **मानव तस्करी,** बाल श्रम, देह व्यापार और **ऑर्केस्ट्रा समूहों में शोषण** के शिकार व्यक्तियों को बचाना तथा पुनर्वासित करना है।
  - इसका आयोजन **बिहार पुलिस के कमज़ोर वर्ग प्रभाग** द्वारा किया जा रहा है।
- **बिहार में तस्करी के आँकड़े:**
  - जनवरी से मई 2025 के बीच **231 मानव तस्करी के मामले** बिहार में दर्ज किये गए।
  - इस अवधि में 118 नाबालिग लड़कियों और 506 लड़कों को बचाया गया तथा 144 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।
  - राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) 2022 के अनुसार, **260 मामलों** के साथ बिहार **मानव तस्करी में देश में तीसरे स्थान** पर था, किंतु **नाबालिगों को बचाने के मामलों में पहले स्थान पर रहा।**
- **बिहार में तस्करी विरोधी तंत्र:**
  - **ज़िला स्तर पर तंत्र:**
    - प्रत्येक ज़िले में **मानव तस्करी विरोधी समिति** और **मानव तस्करी विरोधी कार्यबल (AHTTF)** का गठन किया गया है, जो **गोपनीय सूचना** के आधार पर छापेमारी तथा बचाव अभियान संचालित करते हैं।
    - सीमावर्ती क्षेत्रों में सशस्त्र सीमा बल (SSB) द्वारा भी इसी प्रकार के अभियान संचालित किये जाते हैं।
  - **पुनर्वास प्रक्रिया:**
    - बचाए गए पीड़ितों का पुनर्वास **बाल कल्याण समिति (CWC)** और **बाल देखभाल संस्थानों** के माध्यम से किया जाता है।
  - **मानव तस्करी से निपटने की चुनौतियाँ:**
    - सीमा के निकटता से **तस्करों के भागने में सुविधा** मिलती है तथा **सूचना में विलंब** से बचाव अभियान प्रभावित होता है।
    - **परिवारों का सहयोग न मिलना** और **सामाजिक कलंक** पीड़ितों के पुनर्वास तथा पुन: एकीकरण में बाधा उत्पन्न करते हैं।
  - **मानव तस्करी विरोधी रणनीति को सशक्त करने के प्रयास**
    - बिहार राज्य **सड़क और रेलवे मार्गों पर स्थानीय कर्मियों** की तैनाती कर पीड़ितों की पहचान कर रहा है तथा NGO, **पुलिस एवं कल्याण विभागों** के साथ समन्वय को सशक्त बना रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसके साथ ही, **जन-जागरूकता**, **पीड़ितों के पुनः एकीकरण में सहायता** तथा पुलिस के लिये **मानक संचालन प्रक्रिया** (SOPs) जारी की जा रही हैं।

भिखारी ठाकुर को भारत रत्न

चर्चा में क्यों?

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने **केंद्रीय गृहमंत्री** से भोजपुरी कवि, नाटककार, गायक और **समाज सुधारक भिखारी ठाकुर** को मरणोपरांत भारत रत्न देने का आग्रह किया है।

- **भिखारी ठाकुर** को भारत रत्न दिये जाने की माँग का **बिहार में कोई राजनीतिक विरोध** नहीं है, जो उनके प्रति सभी दलों में **व्यापक सम्मान** को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

- **भिखारी ठाकुर के बारे में:**

  - भिखारी ठाकुर, जिनका जन्म वर्ष 1887 में बिहार के **सारण ज़िले** के **कुतुबपुर दियारा गाँव** में हुआ था, को अक्सर "**भोजपुरी के शेक्सपियर**" के रूप में जाना जाता है।
  - बाद में वे कलकत्ता (**अब कोलकाता**) चले गए, जहाँ उन्होंने **प्रवासी श्रमिकों** के संघर्षों को निकटता से देखा, जिसने उनके साहित्य को गहराई से प्रभावित किया।
- **साहित्यिक योगदान:**
  - उन्होंने कुल **29 पुस्तकों** की रचना की, जिनमें पहली पुस्तक '**बटोहीया**' **वर्ष** 1912 में प्रकाशित हुई।
  - उनका सबसे प्रसिद्ध नाटक '**बिदेशिया**' प्रवासन के कारण उत्पन्न **वियोग की पीड़ा** को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- '**बेटी बेचवा**', '**गबर घिचोर**' और '**अछूत की शिकायत**' जैसे नाटकों के माध्यम से उन्होंने **बाल विवाह, दहेज प्रथा** तथा **अछूत समस्या** जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों को उठाया।
- '**अछूत की शिकायत**' दलित पात्र **हीरा डोम** के जीवन पर आधारित है।
- उन्होंने अपने साहित्य में बाल विवाह, **जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, नशाखोरी, प्रवासन** तथा **विस्थापन** जैसे विषयों को प्रमुखता से स्थान दिया।

- **विरासत:**
  - **भिखारी ठाकुर** आज भी **भोजपुरी स्वाभिमान** और **बिहार की सांस्कृतिक विरासत** के प्रतीक हैं।
  - उनकी **थिएटर परंपरा** और **संगीत** आज भी **जनस्तर पर सामाजिक सुधार** को प्रेरित करने वाले प्रभावशाली माध्यम बने हुए हैं।

प्रत्यय अमृत: बिहार के नए मुख्य सचिव

चर्चा में क्यों?

वर्ष 1991 बैच के बिहार कैडर के **IAS अधिकारी प्रत्यय अमृत** को बिहार का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे अमृत लाल मीणा का स्थान लेंगे, जो 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

- प्रत्यय अमृत 1 सितंबर 2025 को आधिकारिक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे।

मुख्य बिंदु

- **प्रत्यय अमृत के बारे में:**
  - प्रत्यय अमृत, वर्तमान में बिहार के विकास आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं, जिन्हें अब मुख्य सचिव की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।
  - इसके अतिरिक्त वे स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन विभागों के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं।
  - वर्ष 2011 में लोक सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिये उन्हें प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- **मुख्य सचिव कार्यालय**
  - भारत में मुख्य सचिव का कार्यालय वर्ष 1799 में ब्रिटिश शासन के दौरान लॉर्ड वेलेज़ली के अधीन अस्तित्व में आया और तब से यह **राज्य प्रशासन** का **अभिन्न अंग** बना हुआ है।
  - **मुख्य सचिव**, राज्य में कार्यरत **सर्वोच्च रैंक का प्रशासनिक अधिकारी** होता है, जो **राज्य सचिवालय** का नेतृत्व करता है तथा राज्य सरकार के विभिन्न कार्यों के समन्वय की ज़िम्मेदारी निभाता है।
  - **नियुक्ति और स्थिति:** मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री (**राज्यपाल** के नाम पर) द्वारा वरिष्ठ IAS अधिकारियों में से वरिष्ठता, योग्यता और विश्वास जैसे कारकों के आधार पर की जाती है।
    - वर्ष 1973 में इस कार्यालय को **भारत सरकार के सचिव** के पद के **समतुल्य** मानकीकृत किया गया।
  - **शक्तियाँ और कार्य:**
    - राज्य प्रशासन के मामलों पर **प्रमुख सलाहकार** के रूप में कार्य करता है और नीतिगत मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।
    - **कैबिनेट बैठक** का **एजेंडा तैयार** करता है, **कार्यवाही रिकॉर्ड** करता है और **निर्णयों के कार्यान्वयन** की निगरानी करता है।
    - राज्य सिविल सेवा में **नियुक्तियों**, **स्थानांतरणों** और **पदोन्नति** की देखरेख करता है तथा सिविल सेवकों का मनोबल बनाए रखता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना

चर्चा में क्यों?

युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ सशक्त बनाने के लिये, **बिहार सरकार** ने 300 करोड़ रुपए की **तीसरी किस्त** आवंटित की है, जिससे बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (BSCCY) के तहत कुल आवंटन 900 करोड़ रुपए हो गया है।

- बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम लिमिटेड (BSEFC), पटना को आवंटित इस किस्त का उद्देश्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिये समय पर और सुलभ **शैक्षिक ऋण** सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

- **योजना की मुख्य विशेषताएँ:**
  - पात्र छात्र **4% वार्षिक ब्याज दर** पर 4 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकते हैं।
  - **महिला**, **दिव्यांग** और ट्रांसजेंडर छात्रों के लिये **ब्याज दर सिर्फ 1%** है।
  - ऋण की अदायगी पाठ्यक्रम पूरा होने के **एक वर्ष बाद** या **नौकरी मिलने के छह महीने बाद** शुरू होती है, जो भी पहले हो।
  - 2 लाख रुपए तक के ऋण को अधिकतम 60 किस्तों में चुकाया जा सकता है, जबकि 2 लाख रुपए से अधिक के ऋण को 84 किस्तों में चुकाना होता है।
  - **शीघ्र भुगतान** पर **0.25% की अतिरिक्त ब्याज छूट** प्रदान की जाती है।
  - आवेदन **मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (MNSSBY)** पोर्टल के माध्यम से **ऑनलाइन** किये जा सकते हैं।
- **आवेदन एवं पात्रता:**
  - आवेदक बिहार का **स्थायी निवासी** होना चाहिये तथा **12वीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण** होना चाहिये।
  - आवेदक की **आयु 25 वर्ष** से अधिक नहीं होनी चाहिये (विशेष मामलों में छूट उपलब्ध है)।
  - इस योजना में **इंजीनियरिंग**, **चिकित्सा**, **प्रबंधन**, **नर्सिंग**, **पॉलिटेक्निक**, BA, BSc, BCom आदि सहित कई पाठ्यक्रम शामिल हैं।
  - ऋण का उपयोग पाठ्यक्रम शुल्क, लैपटॉप खरीदने या अन्य आवश्यक अध्ययन-संबंधी खर्चों के लिये किया जा सकता है।
  - केवल **सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थानों** में प्रवेश प्राप्त **छात्र ही पात्र** हैं।

बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम लिमिटेड (BSEFC)

- यह मार्च 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत की गई थी और यह 100% **बिहार सरकार के स्वामित्व** में है।
- इस निगम का मुख्य उद्देश्य "**बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना**" को निम्नलिखित लक्ष्यों के साथ लागू करना है:
  - उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाना
  - विद्यार्थियों को **रोज़गार के अवसरों** तक पहुँचने में सक्षम बनाना
  - इस योजना के लिये **कार्यान्वयन एजेंसी/सुविधा प्रदाता** के रूप में कार्य करना

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार में नया औद्योगिक गलियारा और औद्योगिक क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

बिहार के मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **भागलपुर** और **गोपालगंज** में प्रमुख **औद्योगिक परियोजनाओं** की स्थापना की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **भागलपुर में औद्योगिक गलियारा**
  - भागलपुर के औद्योगिक परिदृश्य को पुनर्जीवित करने के लिये मंत्रिमंडल ने भागलपुर ज़िले के **गोराडीह अंचल** में 96.98 एकड़ सरकारी भूमि को **उद्योग विभाग** को नि:शुल्क हस्तांतरित करने को भी मंज़ूरी दी।
  - **भागलपुर में नया थर्मल पावर प्लांट:** बिहार राज्य विद्युत आयोग थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिये एक निजी कंपनी को भूमि पट्टे पर देगा।
- **गोपालगंज में औद्योगिक क्षेत्र**
  - सरकार ने गोपालगंज (नोना पाकड़ और खीरीडीह गाँव) में एक नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिये 32.66 एकड़ भूमि के हस्तांतरण को मंज़ूरी दे दी है।
  - यह भूमि **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (BIADA)** को 11.39 करोड़ रुपए के कुल मूल्य पर **सशुल्क** हस्तांतरित की जाएगी।
  - यह नया औद्योगिक क्षेत्र **औद्योगिक विकास** को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने तथा क्षेत्र में युवाओं और बेरोज़गारों के लिये **रोज़गार** सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बिहार के सकल घरेलू उत्पाद में क्षेत्रीय योगदान

- **नीति आयोग** के अनुसार बिहार का वास्तविक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) वित्त वर्ष 2012-13 और 2021-22 के बीच 5.0% की औसत दर से बढ़ा है (राष्ट्रीय औसत विकास दर 5.6% से कम)।
- **सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन (GSVA)** में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक (57.1%) है, उसके बाद कृषि (24.3%) और उद्योग (17.2%) का स्थान है।

बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस

चर्चा में क्यों?

रक्षाबंधन 2025 (09 अगस्त) के अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** ने पटना स्थित **राजधानी वाटिका** में एक पेड़ को राखी बाँधकर और पौधारोपण कर 'बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस' (वृक्ष संरक्षण दिवस) मनाया।

मुख्य बिंदु

- **'बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस के बारे में:**
  - यह दिवस 13 अगस्त 2012 को मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** द्वारा **रक्षाबंधन** के अवसर पर शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **इसके उद्देश्यों में शामिल हैं:**
  - पर्यावरण संरक्षण पर जन-जागरूकता को बढ़ावा देना।
  - **वृक्ष संरक्षण** और बड़े पैमाने पर **वृक्षारोपण** को प्रोत्साहित करना।
  - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना।
  - राज्य में **हरियाली विस्तार** और **पारिस्थितिकी पर्यटन** को समर्थन देना।
- सरकार **जल-जीवन-हरियाली** जैसी योजनाओं और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, इको-पर्यटन तथा वन्यजीव संरक्षण को भी बढ़ावा दे रही है।

भारतीय महिलाओं ने एशिया अंडर-20 रग्बी में कांस्य पदक जीता

चर्चा में क्यों?

बिहार के **राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेंस चैंपियनशिप 2025 का समापन हुआ, जिसमें **भारतीय महिला टीम ने** उज़्बेकिस्तान को हराकर **कांस्य पदक** जीता। पुरुषों के फ़ाइनल में चीन ने हांगकांग को हराकर चैंपियनशिप का खिताब जीता।

- **बिहार में पहली बार आयोजित** इस टूर्नामेंट में **पूरे एशिया से** असाधारण रग्बी प्रतिभाओं का प्रदर्शन हुआ।

मुख्य बिंदु

एशिया रग्बी अंडर-20 के बारे में:

- **पुरुष वर्ग:**
  - हांगकांग (स्वर्ण) ने श्रीलंका (रजत) को हराया
  - मलेशिया (कांस्य) ने चीन को हराया
- **महिला वर्ग:**
  - चीन (स्वर्ण) ने हांगकांग (रजत) को हराया
  - भारत (कांस्य) ने उज़्बेकिस्तान को हराया
- **भारत: महिला वर्ग में कांस्य पदक**
  - भारतीय टीम में बिहार की चार खिलाड़ी गुड़िया कुमारी, अंशू कुमारी, अल्पना कुमारी और आरती कुमारी शामिल थीं।

प्रतियोगिता:

- एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेंस चैंपियनशिप 2025 का आधिकारिक शुभंकर '**अशोक**' नामक खरगोश था।
- इसमें नौ एशियाई देशों के 192 खिलाड़ी, 32 कोच/सहायक स्टाफ और 50 तकनीकी अधिकारी शामिल थे।
- भाग लेने वाले देशों में चीन, हांगकांग, UAE, उज़्बेकिस्तान, कज़ाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया, नेपाल और मेज़बान भारत शामिल थे।
- दो दिनों में कुल 40 मैच खेले गए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

रग्बी सेवेंस बनाम पारंपरिक रग्बी

आयाम	रग्बी सेवेंस	पारंपरिक रग्बी
टीम का आकार	प्रति टीम 7 खिलाड़ी	प्रति टीम 15 खिलाड़ी
खेल अवधि	दो 7-मिनट के हाफ (कुल 14 मिनट)	दो 40-मिनट के हाफ (कुल 80 मिनट)
खेल प्रभाव	अधिक खुला मैदान = तेज़ गति का खेल	अधिक खिलाड़ी = धीमी गति का खेल
प्रतियोगिता प्रारूप	प्रतिदिन कई मैच, 2-3 दिन के प्रतियोगिता	एकल मैच, लंबी प्रतियोगिता अवधि

एशिया रग्बी

- पूर्व नाम: **एशियन रग्बी फुटबॉल यूनियन (ARFU)**
- स्थापना: **1968**, 8 संस्थापक देशों द्वारा
- वर्तमान सदस्य: **एशिया के 36 सदस्य संघ**
- शासी निकाय: **वर्ल्ड रग्बी** का क्षेत्रीय संघ
- **एशिया रग्बी चैंपियनशिप (ARC):** वर्ष 1969 में शुरू हुई

बिहार सरकार ने JP सेनानियों की पेंशन दोगुनी की

चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने **जयप्रकाश (JP) आंदोलन** सेनानियों के लिये पेंशन में वृद्धि की घोषणा की है। ये वे व्यक्ति हैं, जिन्हें आपातकाल (1975-77) के दौरान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के आंदोलन (1974) का समर्थन करने पर कारावास में डाला गया था।

- यह कदम, इन सेनानियों के संघर्ष एवं बिहार के विकास में उनके योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नोट: 5 जून, 2025 को जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के आह्वान की 51वीं वर्षगाँठ मनाई गई, जिसे **JP आंदोलन** के रूप में भी जाना जाता है। यह आह्वान 5 जून,1974 को पटना के गांधी मैदान में जयप्रकाश नारायण द्वारा किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **पेंशन में वृद्धि:**
  - छह माह से अधिक अवधि तक जेल में रहने वाले सेनानियों को अब **15,000 रुपए से बढ़ाकर 30,000** रुपए प्रति माह पेंशन दी जाएगी।
  - जिन लोगों को छह माह तक जेल में रहना पड़ा, उनकी पेंशन **7,500 रुपए से बढ़ाकर 15,000** रुपए प्रति माह कर दी जाएगी।
  - पेंशनभोगी की **मृत्यु की स्थिति में उनके जीवित पति या पत्नी को** भी समान पेंशन राशि प्राप्त होगी।
- **जेपी सेनानी सम्मान पेंशन योजना**
  - यह समायोजन ***जेपी सेनानी सम्मान पेंशन योजना*** के अंतर्गत आता है, जिसे वर्ष 2009 में मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** द्वारा प्रारंभ किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस योजना का नाम प्रतिष्ठित समाजवादी नेता **लोकनायक जयप्रकाश नारायण** के नाम पर रखा गया है।
- **लाभार्थी:** वर्तमान में (2025 तक) बिहार में 3,354 व्यक्ति यह पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पात्र होने के बावजूद कभी इसका लाभ नहीं लिया।
- इस योजना के उल्लेखनीय लाभार्थियों में **लालू प्रसाद यादव** (बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री) और **सुशील कुमार मोदी** (बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री) भी शामिल हैं।
- **पात्रता की शर्तें:**
  - **भागीदारी की अवधि:** 18 मार्च 1974 से 21 मार्च 1977 तक।
  - लाभार्थियों को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (MISA) या भारत रक्षा नियम (DIR) के तहत कारावास भोगना आवश्यक।
- **अवधि श्रेणियाँ:**
  - **श्रेणी 1:** 1 से 6 माह का कारावास।
  - **श्रेणी 2:** 6 माह से अधिक का कारावास।
- **अतिरिक्त लाभ:** पात्र व्यक्तियों को स्वतंत्रता सेनानियों के समान नि:शुल्क चिकित्सकीय सुविधा प्रदान की जाती है।

स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन योजना

- **स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पेंशन योजना** वर्ष 1972 में फ्रीडम फाइटर्स पेंशन स्कीम के रूप में प्रारम्भ हुई थी तथा अगस्त 1980 में इसका नाम बदलकर इसे उदारीकृत कर दिया गया।
- **केंद्रीय गृह मंत्रालय** द्वारा प्रशासित यह योजना भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **कुल लाभार्थी (अब तक):** 1,71,689 स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके आश्रित।
- **वर्तमान सक्रिय पेंशनभोगी (जुलाई 2025 तक):** 13,212 जीवित स्वतंत्रता सेनानी।
- **पेंशन प्राप्त करने वाली विधवाएँ:** 9,778।
- **वार्षिक बजट (2024-25):** 600 करोड़ रुपए।
- **कवरेज:**
  - **समय अवधि:** वर्ष 1857 से 1947 के मध्य हुए आंदोलनों में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानी।
  - **मान्यता प्राप्त आंदोलन:** इसमें 40 प्रमुख आंदोलन सम्मिलित हैं, जिनमें भारत छोड़ो आंदोलन, जलियांवाला बाग जैसी घटनाएँ शामिल हैं।

12वीं पुरुष एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री **नीतीश कुमार** ने 12वीं पुरुष एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप के लिये **लोगो**, **शुभंकर** और **ट्रॉफी** का अनावरण किया।

- मुख्यमंत्री ने **ट्रॉफी प्राइड जर्नी** को भी हरी झंडी दिखाई, जो एक प्रतीकात्मक मशाल यात्रा है, जो टूर्नामेंट तक बिहार के सभी ज़िलों से होकर गुजरेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **टूर्नामेंट के बारे में:**
  - यह टूर्नामेंट **29 अगस्त, 2025** (राष्ट्रीय खेल दिवस और मेजर ध्यानचंद की जयंती) से **7 सितंबर 2025** तक **राजगीर अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम** में आयोजित होगा।
  - यह पहली बार है जब बिहार इस आयोजन की मेज़बानी कर रहा है।
  - हॉकी इंडिया और **बिहार राज्य खेल प्राधिकरण** के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद बिहार का ऐतिहासिक शहर **राजगीर** इस आयोजन की मेज़बानी करेगा।
  - यह राजगीर का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन है। इससे पहले वर्ष 2024 में यहाँ *महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी* आयोजित हुई थी।
- **टूर्नामेंट विवरण:**
  - इसमें भारत, चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और बांग्लादेश की टीमें शामिल होंगी।
  - यह टूर्नामेंट अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के लिये क्वालीफायर के रूप में कार्य करेगा, जिसकी मेज़बानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे।
  - विजेता टीम को सीधे **हॉकी विश्वकप** में प्रवेश मिलेगा।
- **शुभंकर:**
  - आधिकारिक शुभंकर "**चाँद**", भारत के राष्ट्रीय पशु बाघ के साहस और स्फूर्ति का प्रतीक है तथा यह भारत के **महान हॉकी खिलाड़ी** मेजर ध्यानचंद से प्रेरित है।
  - चाँद की डिज़ाइन में लाल केप (Red Cape) शक्ति का प्रतीक है और जादूगर की टोपी ध्यानचंद की असाधारण प्रतिभा का सम्मान करती है।

एशियाई हॉकी महासंघ (AHF)

- एशियाई हॉकी महासंघ (AHF) की स्थापना वर्ष **1958** में टोक्यो में एशियाई खेलों के दौरान हुई थी, जिसके दौरान हॉकी ने पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था।
- AHF के पाँच संस्थापक सदस्य देश **भारत, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और पाकिस्तान** थे।
- **पांच महाद्वीपीय महासंघों** में से एक के रूप में, AHF उच्च प्रदर्शन परियोजनाओं, अनुदानों, उपकरणों और तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से अपने सदस्य राष्ट्रीय संघों का समर्थन करके खेल को बढ़ावा देने, विकसित करने एवं प्रशासन में **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) की सहायता करता** है।

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025

चर्चा में क्यों?

बिहार मंत्रिमंडल ने **26 अगस्त, 2025 को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 को** स्वीकृति प्रदान की, जिसका उद्देश्य राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना और बड़े स्तर पर निजी निवेश को आकर्षित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पहल, **बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 का एक विस्तार है, जो 31 मार्च, 2026** तक प्रभावी रहेगी और **अगले पाँच वर्षों** में **1 करोड़ रोज़गार के अवसर सृजित करने के** बिहार के प्रयासों का हिस्सा है, जिससे राज्य एक महत्त्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

मुख्य बिंदु

निवेश प्रोत्साहन पैकेज के बारे में:

- **निवेशकों के लिये नि:शुल्क भूमि**
  - निवेशक उद्योग स्थापित करने के लिये 1 रुपये के नाममात्र शुल्क पर भूमि प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत **100 करोड़ रुपये के निवेश और 1,000 नौकरियों के सृजन पर 10 एकड़** तक भूमि प्रदान की जाएगी।
  - 1,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली परियोजनाओं को 25 एकड़ तक भूमि आवंटित की जाएगी।
  - **फॉर्च्यून 500** कंपनियों को 10 एकड़ भूमि दी जाएगी।
- **भूमि पर छूट**
  - उपर्युक्त योजनाओं का चयन न करने वाले निवेशकों को BIADA (**बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण**) की भूमि दर से 50% छूट पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।
- **फिनटेक सिटी विकास:**
  - मंत्रिमंडल ने पटना में फतुहा के समीप **फिनटेक सिटी परियोजना** हेतु 242 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिये 408.81 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।
  - गुजरात की **गिफ्ट सिटी** (**गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी**) की तर्ज पर निर्मित इस परियोजना से वित्तीय सेवाएँ बढ़ेंगी तथा पटना तक सीधे माल की आवाजाही संभव होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
- **अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों हेतु व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण**
  - मंत्रिमंडल ने **पटना** और **गया** हवाई अड्डों से अंतर्राष्ट्रीय मार्गों को बढ़ावा देने वाली एयरलाइनों के लिये **व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (VGF)** को भी मंज़ूरी दी है।
  - पटना-काठमांडू, गया-शारजाह, गया-बैंकॉक तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर परिचालन करने वाली एयरलाइनों को न्यूनतम 150 यात्रियों की क्षमता वाली **राउंड ट्रिप** के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी।
- **वित्तीय प्रोत्साहन:**
  - निवेशक तीन वित्तीय प्रोत्साहन मॉडलों में से किसी एक का विकल्प चुन सकते हैं:
    - 40 करोड़ रुपये तक का ब्याज अनुदान तथा 100% तक **SGST प्रतिपूर्ति**।
    - 14 वर्षों में अनुमोदित परियोजना लागत का 300% SGST प्रतिपूर्ति।
    - अनुमोदित परियोजना लागत के आधार पर 30% पूंजीगत सब्सिडी।
- **निर्यात प्रोत्साहन:**
  - निर्यात प्रोत्साहन को बढ़ाकर **40 लाख रुपये प्रतिवर्ष** कर दिया गया है, जो पूर्व राशि से दोगुना है तथा लाभ **14 वर्षों के लिये बढ़ा दिया गया है**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रोज़गार सहायता:**
  - पात्र उद्योगों को प्रति श्रमिक 5,000 रुपये प्रतिमाह तथा 300% तक **ESI/EPF सहायता** दी जाएगी।
  - अन्य इकाइयों को सामाजिक सुरक्षा लाभों के अतिरिक्त प्रति श्रमिक 2,000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे।
  - प्रत्येक कर्मचारी के लिये 20,000 रुपये का **कौशल विकास अनुदान** भी सम्मिलित है।
- **हरित प्रोत्साहन:**
  - पर्यावरण संरक्षण हेतु 25% प्रतिपूर्ति (अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक) तथा नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग पर 6 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

नोट: एक अन्य निर्णय में मंत्रिमंडल ने **कृषि सलाहकारों के मानदेय को 13,000 रुपये से बढ़ाकर 21,000 रुपये प्रतिमाह करने की स्वीकृति दी है**, जिससे राज्य में किसान सलाहकारों को और अधिक सहयोग एवं प्रोत्साहन मिल सकेगा।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME